

# श्री जैन सत्य प्रकाश

( मासिक पत्र )

विषय-दर्शन

१ श्री अरिष्टनेमि-स्तोत्र	: आचार्य महाराज श्रीमद् विजयपद्मसूरिजी	: १
२ दिगंबरानि उत्पत्ति	: आचार्य महाराज श्रीमत् सागरानंदसूरिजी	: २
३ प्रभुश्री महावीरनुं तत्त्वज्ञान	: आचार्य महाराज श्रीमद् विजयलक्ष्मिसूरिजी	: ६
४ समीक्षाभ्रमाविष्करण	: आचार्य महाराज श्रीमद् विजयलावण्यसूरिजी	: १०
५ दिगम्बर शास्त्र कैसे बने	: मुनिराज श्री दर्शनविजयजी	: १३
६ श्री इस्तिनापुरी तीर्थ	: मुनिराज श्री न्यायविजयजी	: १६
७ स्तंभतीर्थनो प्राचीन ज्ञानलंकार	: श्रीयुत भोहनदास दीपयंद चौकशी	: २०
८ उवसग्गडर स्तोत्र	: श्रीयुत साराबाई भण्डारदार नवाण	: २२
९ महाकवि धनपाल	: मुनिराज श्री सुशीलविजयजी	: २५
१० नैनोनो अडिंसावाह	: मुनिराज श्री दर्शनविजयजी	: २८
११ पंडित इन्द्रचन्द्रजी से	: मुनिराज श्री ज्ञानविजयजी	: ३२
१२ तीर्थंकर नामकर्म	: आचार्य महाराज श्रीमद् विजयपद्मसूरिजी	: ३८
१३ तारापुर मन्दिर का शिलालेख	: श्रीयुत नंदलालजी लोढा	: ४४
१४ संपादकीय वक्तव्य		
(१) त्रीणुं वर्ष		: ४६
(२) पांचमना भदले पंढरभी तारीख		: ५०
(३) " गौतममुद्र " पुस्तक संबंधी भुलासो		: ५०
(४) श्रीमान् युनीदास वर्धमान शाहनुं " राजहत्या "		: ५४
१५ सभाचार :		: ६०

ACHARYA SRI KAILASSAGARSURI GYANMANDIR  
SHREE MAHAVIR JAIN ARADHANA KENDRA  
Koba, Gandhinagar - 382 007.  
Ph. : (079) 23276252, 23276204-05  
Fax : (079) 23276249